A Report of the Training on "Cultivation and Utilization of Medicinal Plants and Mushroom" at Demo village, Shyampur, Dehradun

(27th February to 1st March 2019)

Today medicinal plants are not only playing important role in the management of diseases of human being but also in their livelihood. The demand of medicinal herbs in growing exponentially and it cannot be met only from the collection from natural habitats. The only way is to meet the increasing demand is its cultivation at farmer's field. Besides medicinal plants, cultivation of edible and medicinal mushrooms can also be taken up for enhancing farmer's income. Farmers are taking benefits by cultivating medicinal plants and mushrooms as well. But due to lack of adequate and appropriate scientific knowledge of cultivation and marketing farmers are not getting handsome returns.

Keeping above in consideration, Extension Division, Forest Research Institute, Dehradun is organized a three days training on "Cultivation and Utilization of Medicinal Plant and Mushrooms" from 27th February to 1st March, 2019 in Demo Village Shyampur, Dehradun. The training was inaugurated by Dr. A.K. Pandey, Head, Extension Division, FRI. In his inaugural address he told that there is a huge demand of medicinal plants in Herbal and pharmaceutical industries. To fulfill these demands farmers should go for cultivation of medicinal plants. He quoted that the medi-culture and applying proper scientific technologies for cultivation of these medicinal plants and mushrooms farmers can improve their income and livelihood. He also mentioned that the Government is also providing assistance for cultivation of medicinal plants. On this occasion Dr. Amit Pandey, senior Scientist, Forest Protection Division informed that farmers can enhance their income by cultivating mushrooms both edible and medicinal (*Ganoderma leucidum*). Dr. Charan Singh, Scientist of Extension Division gave a details account of Demo Village and extension activities undertaken from time to time in the Demo village. On this occasion Coordinator of Bagwan Gramodyog Samiti Smt. Uma Khanduri also expressed her views and told that FRI has always helped them by providing technical input and disseminated technologies developed by FRI to end users. Shri Rambir Singh, Scientist, Extension Division proposed vote of thanks in the inaugural and conclude training program to the participants and other dignitaries. Dr. Devendra Kumar, Scientist, Sh. Ajay Gulati, S.T.O., Sh. Vijay Kumar, ACF etc. were present in this program. During technical session, broad spectrum knowledge on different aspects of medicinal plants based agroforestry, suitable soils for medicinal plants, edible and medicinal mushrooms was given to participants. Knowledge on insect pests and disease management and field visit was also provided in the training.

The training program concluded on 1st March 2019. In the closing ceremony, the Director, FRI Shri Arun Singh Rawat told that the training will certainly be beneficial for participants in many ways. He said that the program is over but even after this training anybody who wants to gain scientific knowledge is free to contact our Institute at any time. Dr. A.K. Pandey, Head, Extension told in his address that Extension Division of the institute conducts many training programs and interested persons can write to the Division to take part in respective training programs. He made an appeal to participants that they should apply the scientific techniques/knowledge in the cultivation of medicinal plants and mushrooms to optimize the production. Further, he added that scientific knowledge they gained should be disseminated to others to make them aware. 35 participants from Nepal, Uttrakhand, Tripura and Arunachal Pradesh including Farmers, Students, Representatives of NGO's and SHG's participated in the training. The participants were given certificates on completion of training by the Director, FRI. The program was organized with active cooperation of Bhagwan Gramodyog Samiti, Shyampur. On this occasion Dr. Charan Singh, Scientist, Shri Rambir Singh, Scientist, Sh. Ajay Gulati, S.T.O and Sh. Vijay Kumar, ACF etc were make effort to success the training program.

Glimpses of the Event

औषधीय पौधों एवं मशरूम की खेती एवं उपयोगिता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। पिछले दो दशको से मानव का रुझान पुनः प्राकृतिक जड़ी बूटियों की ओर बढ़ा है तथा वह अपने रोगों के निवारण के लिए अधिक से अधिक औषधीय पौधों का उपयोग करने लगा है। जिसके कारण औषधीय पौधों की मांग में गुणात्मक वृद्धि हुई है, जिसको केवल वनों से संग्रहित कर पूरा नहीं किया जा सकता है।

इसलिए आवश्यकता है कि इन जड़ी बूटियों की खेती की जाए। इन जड़ी बूटियों की खेती परंपरागत खेती की तुलना में अधिक लाभदायक है। औषधीय पौधों के साथ साथ खाद्य एवं औषधीय मशरूम की खेती का भी प्रचलन बढ़ा है तथा किसान अपने खेत में औषधीय पौधों को उगाने के साथ ही मशरूम उत्पादन के लिए भी उद्यत रहते हैं। लेकिन उचित वैज्ञानिक तकनीक के अभाव में वांछित उत्पादन प्राप्त नहीं कर पाते हैं, जिससे सही आमदनी नहीं हो पाती है।इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा प्रदर्शन ग्राम श्यामपुर, देहरादून में किसानों, गैर सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधियों एवं छात्रों को औषधीय पौधों एवं मशरूम की खेती एवं उपयोगिता पर तकनीकी जानकारी देने के लिए 27 फरवरी से 01 मार्च तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में औषधीय पौधों एवं मशरूम की खेती एवं उनके उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके अतिरिक्त औषधीय पौधों को नुकसान पहुँचाने वाले कीट एवं रोग एवं इनकी रोकथाम के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को वन अनुसंधान संस्थान के संग्रहालयों का भ्रमण भी करवाया गया। आज दिनांक 01 मार्च 2019 को प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत् समापन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डा0 अरुण सिंह रावत ने प्रतिभागियों का आभार जताया तथा कि आशा व्यक्त की कि यह प्रशिक्षण किसी न किसी रूप में प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के बाद भी यदि कोई प्रतिभागी किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करना चाहता है तो वह संस्थान से सम्पर्क कर सकता है। इस अवसर पर विस्तार प्रभाग के प्रमुख डा0 ए.के. पाण्डेय ने कहा कि विस्तार प्रभाग प्रत्येक वर्ष इस तरह के अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों का अवाह्न करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण से प्राप्त जानकारी को अपने कृषि कार्यों में समावेषित कर किसान अधिक से अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से अपील की वह संस्थान द्वारा प्राप्त जानकारी को दूसरों तक भी पहुँचाएं। प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को बहुत उपयोगी बताया तथा कि यह उनकी खेती में आने वाली समस्याओं को दूर करने में सहायक होगा।

साथ ही इस तरह के अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता पर बल दिया। उक्त कार्यक्रम में उत्तराखण्ड, नेपाल, अरूणांचल प्रदेश, त्रिपुरा आदि के 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन के अवसर पर संस्थान निदेशक द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर डा0 चरण सिंह, वैज्ञानिक, श्री रामबीर सिंह, वैज्ञानिक, श्री अजय गुलाटी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी आदि उपस्थित रहे। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में ''बागवान ग्रामोद्योग समिति'' का सहयोग सरहानीय रहा।